भगवान महावीर विश्वविद्याल के तीसरे दीक्षांत समारोह में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के अभिभाषण का प्रारूप

दिनांक 4 अप्रैल 2024, गुरुवार	समय : 5.00 PM	स्थान : सूरत, गुजरात

- असम की प्रथम महिला **श्रीमती अनिता कटारिया जी,**
- सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित द्वय **श्री सुरेश जैन जी** और **श्री सावजीभाई ढोलकिया जी,**
- भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) के अध्यक्ष **डॉ. संजय जैन जी,**
- भगवान महावीर एडुकेशनल फाउंडेशन (बीएमईएफ) के चैयरमैन **श्री जगदीश जैन जी,**
- प्रबंधक ट्रस्टी **श्री अनिल जैन जी,**
- ट्रस्टी **श्रीमती लीला जैन जी**, और **डॉ. हर्षिता जैन जी,**
- विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट **डॉ. मनोज कुमार जी**,
- रजिस्ट्रार **डॉ. विजय मतवाला जी**,
- मेरे प्यार विद्यार्थियों,
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार!

मुझे यहाँ भगवान महावीर विश्वविद्यालय (BMU) के तीसरे दीक्षान्त समारोह में आप सभी को सम्बोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। आप सभी जानते हैं कि दीक्षान्त समारोह प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन का एक बहुत ही खास अवसर होता है। यह आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण से अर्जित उपलब्धि का प्रतीक है।

आज आपकी उपलब्धियों का आनन्द मनाने का दिन है। इस अवसर पर मैं आप सभी स्नातक विद्यार्थियों, डिग्री, डिप्लोमा और पदक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को आपकी उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

समारोह में उपस्थित अभिभावकों और शुभचिन्तकों के साथ-साथ मैं उन शिक्षकों को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मार्गदर्शन कर उनकी सहायता की है।

मैं इस अवसर पर उच्च शिक्षा के क्षितिज को विस्तार देने की दिशा में किये जा रहे योगदान के लिए विश्वविद्यालय की भी सराहना करता हूँ।

मित्रो,

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वर्ष 2019 में स्थापित भगवान महावीर विश्वविद्यालय उद्योग प्रासंगिक और कौशल उन्मुख पाठ्यक्रम के साथ इंटर-डिसिप्लीनरी अध्ययन को बढ़ावा देता है। विश्वविद्यालय नवीनतम शैक्षिक और तकनीकी प्रगति को समाहित करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा सुलभ कराने और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह विश्वविद्यालय अपने मूल निकाय, भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन (बीएमईएफ) से प्ररित है, जो 20 वर्षों से भी अधिक समय से शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मैं बीएमईएफ को धन्यवाद देता हूं।

यह विश्वविद्यालय केवल 4 साल पुराना है। लेकिन इसने बहुत ही कम समय में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ठ पहचान बनाई है। इसमें फल देने वाले पेड़ के रूप में विकसित होने की जबरदस्त क्षमता है।

विश्वविद्यालय से 25 कॉलेज सम्बद्ध हैं और इञ्जीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, विज्ञान, नर्सिंग, वास्तुकला, शिक्षा, लिबरल आर्ट्स, पैरामेडिकल, शारीरिक शिक्षा, फैशन डिजाइन आदि के विभिन्न क्षेत्रों में 150 से अधिक कार्यक्रम शामिल हैं।

बीएमयू में 14,000 से अधिक विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसमें 750 से अधिक उच्च शिक्षा योग्य संकाय और कर्मचारी नियुक्त हैं। विश्वविद्यालय ने नवीनतम बुनियादी ढांचे के साथ सुसज्जित प्रयोगशालाएँ विकसित की हैं। इसकी उद्योग केंद्रित शिक्षा छात्रों को देश की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में स्थान दिलाना सुनिश्चित करेगी।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत बीएमयू युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। अब तक समाज के 3500 से अधिक लोग इस कौशल विकास प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए हैं।

यह सुखद है कि बीएमयू के एसएसआईपी सेल भी नवाचार, नवप्रवर्तन, अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। मैं समझता हूँ कि बीएमयू का यह प्रयास नए डिजिटल युग में विकास को गति देगा।

मित्रो,

देश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच के अंतर को पाटने बहुत आवश्यक है। इस संदर्भ में बीएमयू वेबिनार श्रृंखला का आयोजन कर उद्योग विशेषज्ञों और अकादमिक विशेषज्ञों को एक ही मंच पर लाने का सराहनीय प्रयास किया है।

मैं समझता हूँ कि ऐसे कार्यक्रमों से नए विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान होगा, जिसके फलस्वरूप छात्रों को नवीनतम तकनीकी शिक्षा प्राप्त होगी तथा उनकी आजीविका के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय का प्राथमिक लक्ष्य शिक्षा के साथ-साथ छात्रों का नैतिक और सामाजिक विकास है ताकि वे समाज द्वारा दिए गए कार्य को जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहें। नैतिक शिक्षा में सत्य और अहिंसा के मूल्यवान गुण भी हैं, जो 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर जी के पंचशील सिद्धांतों में शामिल हैं। विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता हासिल करने के लिए भगवान महावीर के आदर्शों और विचारों का अनुसरण करना चाहिए।

मित्रो,

मुझे खुशी है कि बीएमयू सामाजिक गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में भी प्रशंसनीय योगदान दे रहा है। मुझे बताया गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा हर वर्ष **“राष्ट्र के लिए एक सप्ताह”** कार्यक्रम का आयोजन करता है, जिसके अन्तर्गत रक्तदान शिविर, पौधरोपण, स्वच्छ भारत अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति आदि के लिए जनजागरण के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

मानव समाज के लिए हरा-भरा और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय विशेष रूप से **इको ब्रिक्स अभियान** चलाता है। यह खुशी की बात है कि देश के अन्य विश्वविद्यालय भी इसका अनुसरण कर रहे हैं।

शिक्षा के साथ-साथ विश्वविद्यालय रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार के विकल्पों की खोज और उनके मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान करता है।

मुझे बताया गया है कि बीएमसू यह रोजगार मेला हर वर्ष गुजरात सरकार के सहायक निदेशक (रोजगार) कार्यालय के सहयोग से आयोजित करता है।

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि करोना महामारी के दौरान वर्ष 2020 में विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक वर्चुअल मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया था। इस वर्चुअल रोजगार मेले में देश भर की 250 बड़ी-बड़ी कंपनियों ने ऑनलाइन इंटरव्यू लिया था, जिसने पंजीकृत 6439 प्रतिभागियों में से 560 विद्यार्थियों का चयन किया था।

वर्ष 2021 में भी वर्चुअल रोजगार मेले के माध्यम से 200 कंपनियों ने पंजीकृत 6345 प्रतिभागियों में 1436 युवाओं को औसतन 4 लाख रुपए प्रति वर्ष के पैकेज के साथ नौकरी प्रदान की थी।

बीएमयू को "आत्मनिर्भर भारत" और "डिजिटल इंडिया" के निर्माण तथा "स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। मुझे खुशी है कि संस्थान इस संदर्भ में सराहनीय प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत बीएमयू अन्य सभी पहलों के साथ-साथ सक्रिय रूप से समाज के लोगों और युवाओं को उनके कौशल को निखारने और रोजगार योग्य कौशल विकसित करने का सराहनीय कार्य कर रहा है।

एनईपी 2020 में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को वर्तमान दर लगभग 28 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निःसंदेह, यह कार्य कठिन है, लेकिन असंभव नहीं है। इसके लिए उच्च स्तर पर सरकार से लेकर शैक्षिक संस्थानों और निचले स्तर पर सभी लोगों की दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि भगवान महावीर विश्वविद्यालय इस दिशा में लगातार सुधार और विकास कर रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय परम्पराओं से जुड़े रहकर युवाओं द्वारा 21वीं सदी की चुनौतियों के अनुरूप विश्व-स्तरीय दक्षता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमारे देश की परम्पराएं अत्यन्त समृद्ध हैं और उन्हें बचाए रखने में यहां की महान विभूतियों के संघर्षों और प्रयासों का अमूल्य योगदान रहा है।

एनईपी 2020 ने अनेक विशिष्टओं को रेखांकित करते हुए देश में उच्च शिक्षा परिदृश्य में अत्यन्त महत्वपूर्ण नवाचारों में शामिल किया है। एनईपी 2020 इस महत्वपूर्ण पहलू पर भी जोर देती है कि शैक्षणिक लचीलेपन को मान्यता दी जाये। इसके अनुरूप शिक्षार्थी अब अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी शैक्षणिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं और जब उनको आवश्यकता हो तब छोड़ सकते हैं और फिर जब आवश्यक लगे तो बिना कोई शैक्षणिक वर्ष खोए पुनः शामिल हो सकते हैं। मैं समझता हूं कि यह सुविधा बेहतर साबित होगी और इससे शिक्षार्थियों को समुचित स्वतंत्रता और लचीलापन मिलेगा।

मुझे प्रसन्नता है कि यह विश्वविद्यालय अपने सभी पाठ्यक्रमों में नई शिक्षा नीति को लागू कर रहा है। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय से जुड़े सभी पदाधिकारियों को साधुवाद देता हूँ।

शिक्षा नीति के ये सभी बदलाव स्वाभाविक रूप से चुनौतियाँ पैदा करने वाले हैं, जिनसे संस्थानों को निपटना होगा। इन चुनौतियों में सबसे महत्वपूर्ण है शिक्षा की मात्रा और गुणवत्ता के बीच संतुलन बनाये रखना।

स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में शैक्षिक संस्थानों को एक-दूसरे के साथ तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करना होना और अंततः वही अस्तित्व में रहेंगे जिनके पास गुणवत्ता होगी। इसलिए हमें अपने प्रयासों को शिक्षा की गुणवत्ता और उत्कृष्टता दोनों ही स्तरों पर केन्द्रित करना होगा।

मित्रो,

अभी तक हमारे पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान, संस्कृति और परम्परा के बारे में बहुत कम जानकारी को शामिल किया गया है। एनईपी में इसका आग्रह किया गया है कि हमारे पाठ्यक्रम को इस तरह से पुनर्गठित किया जाए कि हमारे बच्चों को यहाँ की परम्परा, संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करने का अवसर मिले। यह हम सभी के समक्ष एक महत्वपूर्ण चुनौती है, विशेषकर खुले और दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए, जिन्हें उनके अदृश्य शिक्षकों द्वारा शिक्षित और प्रशिक्षित किया जाना है।

हम सभी को शिक्षार्थियों द्वारा समाज और लोगों की बेहतर और व्यापक समझ के लिए इन विषयों पर पर्याप्त गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री तैयार करने और उचित शैक्षिक पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने, विकसित करने और वितरित करने के लिए अपना पूरा प्रयास करना चाहिए।

मेरे प्यारे विद्यार्थियों,

औपचारिक डिग्री प्राप्त कर लेना शिक्षा का अन्त नहीं है। हमें जीवनभर जिज्ञासु बनकर सीखते रहना चाहिए। आज जब टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहा है तब निरन्तर सीखते रहना और भी आवश्यक हो गया है। आप सब युवा टैक्नोलॉजी का प्रयोग करना जानते हैं और करते भी हैं।

यह सही है कि किसी भी साधन का सदुपयोग और दुरुपयोग दोनों सम्भव हैं। इसी प्रकार टैक्नोलॉजी का भी सदुपयोग और दुरुपयोग दोनों हो सकते हैं। अगर हम इसका सदुपयोग करेंगे तो देश और समाज का भला होगा और अगर दुरुपयोग करेंगे तो मानवता का नुकसान होगा।

दीक्षान्त समारोह मुख्य रूप से आपके और आपकी उपलब्धियों के बारे में है। यह उत्सव के साथ-साथ समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तत्पर रहने का भी अवसर है।

याद रखें कि इसने आपको ज्ञान के पथ पर आगे बढ़ते रहने और समग्र रूप से राष्ट्र की प्रगति में निःस्वार्थ योगदान देने की सबसे चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

मैं आपसे अपने भविष्य के लक्ष्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने, विचारों के प्रति दृढ़ रहने और जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध होने का आग्रह करता हूँ। अपने आस-पास के लोगों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाने के लिए अर्जित ज्ञान का उपयोग करने का प्रयास करें।

आज का दिन आपके जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान के आधार पर आप सफलता की नई ऊँचाइयों को छुएंगे।

यहाँ मैं महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे अब्दुल कलाम के ओजस्वी विचार का उल्लेख करना चाहूँगा-

जीवन में पहली सफलता के बाद रुकें नहीं, क्योंकि अगर आप दूसरे प्रयास में असफल हो गए तो लोग यही कहेंगे कि आपकी पहली सफलता भाग्य की वजह से मिली थी।

अन्त में, मैं आशा करता हूँ कि आप सभी सर्वशक्तिमान ईश्वर से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में बड़ी सफलता हासिल करेंगे तथा राज्य और राष्ट्र को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने में सहायक बनेंगे।

पुनः आपकी उपलब्धियों के लिए बधाई तथा भविष्य के कार्यों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!